# संभाग पोस्ट

साप्ताहिक

RNI: MPHIN/2015/60688 | जिलों से संभाग तक का सच | email:sambhagpost@gmail.com

वर्ष-9 | अंक-35 | प्रति मंगलवार, इंदौर, 27 जनवरी 2026 से 2 फरवरी 2026 | मूल्य- 2 रु. | पृष्ठ- 8


## उज्जैन नगर निगम में 'कछुआ चाल' या सच छिपाने का 'जाल'?

# 'डिजिटल उज्जैन' में चिट्ठी की रफ्तार कछुए से भी धीमी...

**उज्जैन। कहने को तो हम डिजिटल इंडिया और हाई-टेक गवर्नेंस के दौर में जी रहे हैं, लेकिन उज्जैन नगर पालिक निगम के अधिकारियों ने कछुए को भी मात दे दी है। पिछली बार हमने खुलासा किया था कि कैसे अधीक्षण यंत्री संतोष कुमार गुप्ता की 'शाही सुस्ती' ने आर.टी.आई कानून का दम घोंट रखा है। अब इस मामले में जो नया 'अपडेट' आया है, वह न केवल हास्यास्पद है, बल्कि निगम की कार्यप्रणाली पर गहरा तमाचा भी है।**

संभाग पोस्ट
जिलों से संभाग तक का सच
RTI कानून तोड़ रहा 'दम'
अधिकारियों की सुस्ती या भ्रष्टाचारियों का खम
अधीक्षण यंत्री की 'शाही सुस्ती'
और फोन पर 'अक्खड़' मिजाज, कानून गया तेल लेने..!
संतोष कुमार गुप्ता
अधीक्षण यंत्री उज्जैन नगर निगम
SPECIAL REPORT

✍ नवीन गलकर

हैरानी की बात देखिए, आवेदक का दिनांक 17 नवंबर 2025 को किया गया आवेदन सहायक आयुक्त (एसबीएम) के दिनांक 24.11.2025 को जारी पत्र के साथ अधीक्षण यंत्री के दरबार से होते हुए झोन क्रमांक-1 के दफ्तर तक पहुँचते-पूँछते 26.12.2025 का सूरज देख लेता है। एक ही विभाग, एक ही शहर... पर इस दूरी को तय करने में पूरे एक महीने से ज्यादा का समय लग गया। सवाल यह है कि क्या यह पत्र पैदल चलकर आया था या इसे जानबूझकर रास्ते में 'कोमा' में डाल दिया गया था? सूचना के अधिकार के तहत तय समय सीमा में जानकारी नहीं मिली, तो मामला प्रथम अपीलीय अधिकारी के चौखट पर पहुँचा। लेकिन प्रथम अपीलीय अधिकारी ने न तो समय पर सुनवाई करना उचित समझा और न ही इस सुस्ती पर कोई निर्णय दिया। उनकी यह चुप्पी भ्रष्टाचार और कामचोरी को मौन समर्थन देने जैसी है। 'सैयां भए कोतवाल तो डर काहे का' आला अधिकारी अपनी कुंभकर्णी नींद का त्याग करें, क्योंकि उज्जैन नगर निगम में कुछ बड़ा गड़बड़ घोटाला हो रहा है!

## जनता के टैक्स पर ऐश, और काम में क्लेश?

नगर निगम के ये अधिकारी जनता के टैक्स से मोटी तनख्वाह इसलिए लेते हैं ताकि व्यवस्था सुचारू चले, न कि इसलिए कि वे पत्रों को फाइलों के नीचे दबाकर सो जाएँ। अगर एक ही दफ्तर के भीतर पत्र पहुँचने में एक महीना लगता है, तो आम जनता की फाइलों का क्या हाल होता होगा, इसका अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं है। आखिर किसका संरक्षण प्राप्त है इन सुस्त अधिकारियों को? क्या महापौर और निगमायुक्त इस 'डाक विभाग से भी धीमी' कछुआ चाल पर संज्ञान लेंगे, या फिर 'सूचना का अधिकार' यहाँ सिर्फ कागजों तक ही सीमित रहेगा?

## सुविचार

समय और समझ दोनों एक साथ बस किस्मत वालों को ही मिलते है, क्योंकि अक्सर समय पर समझ नहीं आती और समझ आने पर समय निकल जाता है।

## संपादकीय

# आइटी में भारत का दबदबा

वैश्विक सूचना प्रौद्योगिकी (आइटी) सेवाओं के क्षेत्र में भारतीय कंपनियों का दबदबा 2026 में भी कायम है, तो यही अपने आप में वैश्विक स्तर पर भारत की क्षमता बताने के लिए काफी है. ब्रांड फाइनेंस की नयी रिपोर्ट के मुताबिक, दुनियाभर की शीर्ष 25 आइटी सेवा कंपनियों में भारत और अमेरिका की आठ-आठ संस्थाएं शामिल हैं. यानी वैश्विक आइटी रैंकिंग में भारत और अमेरिका बहुत करीब खड़े हैं. यह संकेत है कि भारतीय आइटी कंपनियां विश्व स्तर पर बेहद मजबूत और भरोसेमंद हैं. इस नयी सूची में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और इनफोसिस ने दुनिया के क्रमशः दूसरे और तीसरे आइटी सेवा ब्रांड के रूप में अपना स्थान बरकरार रखा है. टीसीएस लगातार पांचवें वर्ष दुनिया का दूसरा सबसे मूल्यवान आइटी सेवा ब्रांड बना रहा. रिपोर्ट के मुताबिक, 21.2 अरब डॉलर के ब्रांड मूल्य वाले टीसीएस को प्रशंसा और विश्वसनीयता जैसे प्रमुख मानकों पर बेहद मजबूत स्कोर मिला है, जो इसे एक भरोसेमंद और विश्वसनीय कारोबारी साझेदार के रूप में स्थापित करता है. ब्रांड पर विचार और अनुशंसा के मामले में भी कंपनी का प्रदर्शन मजबूत रहा, जो दीर्घकालीन ग्राहक विश्वास बनाये रखने की क्षमता दर्शाता है. जबकि 16.4 अरब डॉलर के ब्रांड मूल्य वाली इनफोसिस बीते छह साल में 15 फीसदी की सालाना चक्रवृद्धि दर के साथ सबसे तेजी से बढ़ने वाली आइटी सेवा कंपनी रही है. इसके अलावा 100 में से 86.8 के अंक के साथ यह दुनिया का तीसरा सबसे मजबूत ब्रांड भी है. इस सूची में एचसीएल टेक और विप्रो शीर्ष 10 में शामिल हैं, तो टेक महिंद्रा 12वें स्थान पर है. दुनिया की अग्रणी आइटी कंपनियों के ब्रांड मूल्य और मजबूती पर नजर रखने वाली इस रिपोर्ट में 42.2 अरब डॉलर के ब्रांड मूल्य वाले एक्सेंचर को सबसे मूल्यवान आइटी सेवा आंका गया है. लगातार आठवें साल इसे यह उपलब्धि हासिल हुई है. एक्सेंचर की सफलता मुख्य रूप से इसकी ब्रांड मजबूती और विश्वसनीयता पर आधारित है. दुनिया की शीर्ष 25 आइटी सेवा कंपनियों का संयुक्त ब्रांड मूल्य 167.2 डॉलर रहा. इस सूची में आइबीएम कंसल्टिंग, कैपजेमिनी, एनटीटी डेटा, कॉग्निजेंट, इपीएएम और जेनपैक्ट जैसी वैश्विक कंपनियां शामिल हैं, तो एलटीआइ माइंडट्री, पर्सिस्टेंट सिस्टम्स और हेक्सावेयर टेक्नोलॉजीज ने भी शीर्ष 25 में जगह बनायी है. इस रिपोर्ट से यह स्पष्ट है कि भारतीय आइटी कंपनियां केवल अमेरिका और यूरोप में नहीं, बल्कि पूरी दुनिया में अपने ब्रांड मूल्य और मजबूती के मामले में अग्रणी बन रही हैं.

आपका अपना विश्वसनीय अखबार...
हमेशा आपके साथ
संभाग पोस्ट
आप हमसे अपनी समस्याओं को सांझा कर सकते हैं
बगैर किसी खौफ के विडियो, फोटो,
दस्तावेज के माध्यम से हमारे वाट्सअप नम्बर पर
और संभाग पोस्ट के पाठक सदस्य भी बन सकते हैं...
एक वर्ष की सदस्यता लेने पर
अखबार फ्री... तीन विज्ञापन फ्री...
पाठक सदस्यता आईडी कार्ड फ्री...
न्यूज चैनल पर एक एड फ्री....
सम्पर्क 9009919948

# प्रस्तावित बेटरमेंट टैक्स के विरोध में हाईकोर्ट एडवोकेट डॉ. पंकज वाधवानी ने मुख्यमंत्री एवं प्रमुख सचिव को भेजा अभ्यावेदन

**इंदौर। संभाग पोस्ट**

मध्य प्रदेश शासन द्वारा प्रस्तावित 'बेटरमेंट टैक्स' के विरोध में हाईकोर्ट एडवोकेट डॉ. पंकज वाधवानी ने आज माननीय मुख्यमंत्री महोदय एवं प्रमुख सचिव, नगरीय प्रशासन विभाग, मध्य प्रदेश शासन को एक विस्तृत संवैधानिक एवं विधिक अभ्यावेदन ई-मेल के माध्यम से प्रेषित किया। डॉ. वाधवानी ने अपने अभ्यावेदन में स्पष्ट किया है कि नगरीय क्षेत्रों में सड़क, नाली, जल-आपूर्ति, प्रकाश, पार्क एवं अन्य विकास कार्यों के कारण संपत्ति के मूल्य में वृद्धि को आधार बनाकर कोई नया कर लगाया जाना संविधान के मूल ढांचे के विपरीत है।

**विकास कार्य करना संविधान के अनुसार राज्य का दायित्व, ना कि टैक्स का आधार:** उन्होंने कहा कि विकास कार्य करना राज्य सरकार का संवैधानिक दायित्व है, न कि ऐसा कार्य जिसके बदले नागरिकों पर अतिरिक्त कर का बोझ डाला जाए। संविधान के राज्य के नीति-निर्देशक तत्वों (अनुच्छेद 38, 39 एवं 41) के अंतर्गत राज्य का कर्तव्य है कि वह नागरिकों के जीवन स्तर में सुधार करे।

आगे चलकर यह वायु कर में भी बदल सकता है। डॉ. वाधवानी

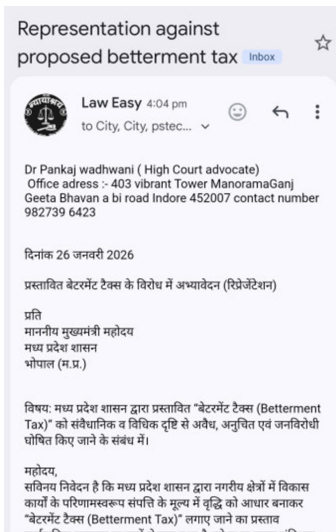
Representation against proposed betterment tax Inbox

Law Easy 4:04 pm
to City, City, pstec...

Dr Pankaj wadhwani ( High Court advocate)
Office adress :- 403 vibrant Tower ManoramaGanj Geeta Bhavan a bi road Indore 452007 contact number 982739 6423

दिनांक 26 जनवरी 2026

प्रस्तावित बेटरमेंट टैक्स के विरोध में अभ्यावेदन (रिप्रेजेंटेशन)

प्रति
माननीय मुख्यमंत्री महोदय
मध्य प्रदेश शासन
भोपाल (म.प्र.)

विषय: मध्य प्रदेश शासन द्वारा प्रस्तावित "बेटरमेंट टैक्स (Betterment Tax)" को संवैधानिक व विधिक दृष्टि से अवैध, अनुचित एवं जनविरोधी घोषित किए जाने के संबंध में।

महोदय,
सविनय निवेदन है कि मध्य प्रदेश शासन द्वारा नगरीय क्षेत्रों में विकास कार्यों के परिणामस्वरूप संपत्ति के मूल्य में वृद्धि को आधार बनाकर "बेटरमेंट टैक्स (Betterment Tax)" लगाए जाने का प्रस्ताव

ने यह भी तर्क दिया कि संपत्ति का मूल्य बढ़ना स्वामित्व का स्वाभाविक परिणाम है, न कि नागरिक द्वारा मांगी गई कोई विशेष सेवा। इस आधार पर बेटरमेंट टैक्स लगाना मनमाना (ARitrary) है और यह अनुच्छेद 14 (समानता का अधिकार) का उल्लंघन करता है। अपने अभ्यावेदन में उन्होंने एक व्यावहारिक उदाहरण देते हुए कहा कि यदि शासन विकास कार्यों के अंतर्गत पौधारोपण करता है, जिससे नागरिकों को स्वच्छ वायु मिलती है, तो क्या सरकार आगे चलकर 'स्वच्छ वायु कर' भी लगाएगी? यदि नहीं, तो उसी प्रकार सड़क, पार्क या नाली बनने से प्राप्त सुविधा को करारोपण का आधार नहीं बनाया जा सकता। डॉ. वाधवानी ने यह भी इंगित किया कि नागरिक पहले से ही संपत्ति कर, जल कर, स्वच्छता कर, प्रकाश कर, स्टाम्प ड्यूटी एवं पंजीयन शुल्क जैसे अनेक करों का भुगतान कर रहे हैं, जिनका उद्देश्य विकास कार्यों का वित्तपोषण है। ऐसे में बेटरमेंट टैक्स लगाना दोहरा करारोपण (Double Taxation) होगा, जो कर विधि के मूल सिद्धांतों के विपरीत है।

उन्होंने कहा कि प्रस्तावित

**डॉ पंकज वाधवानी (हाईकोर्ट एडवोकेट)**
**(लेखक पूर्व में मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय खंडपीठ में शासकीय अधिवक्ता रह चुके हैं ) मोबाइल क्रमांक-9827396423**

बेटरमेंट टैक्स अनुच्छेद 14, अनुच्छेद 19(1)(g) तथा अनुच्छेद 300A की कसौटी पर भी असंवैधानिक प्रतीत होता है। डॉ. पंकज वाधवानी ने शासन से मांग की है कि प्रस्तावित बेटरमेंट टैक्स को तत्काल निरस्त किया जाए तथा इसे लागू करने से पूर्व जनहित और संवैधानिक प्रावधानों पर गंभीर पुनर्विचार किया जाए।

# केंद्रीय जेल इंदौर में गरिमा और गौरव के साथ मना 77वां गणतंत्र दिवस, 9 बंदियों को मिली रिहाई

**इंदौर। संभाग पोस्ट**

इंदौर। भारत के 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर केंद्रीय जेल इंदौर में गरिमामय एवं अनुशासित वातावरण में विशेष समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत केंद्रीय जेल अधीक्षक श्रीमती अलका सोनकर द्वारा ध्वजारोहण एवं सलामी के साथ की गई। इसके बाद जेल परिसर में राष्ट्रगान गूंजा, जिससे पूरा वातावरण देशभक्ति से ओतप्रोत हो गया। मुख्य समारोह में उपस्थित बंदियों एवं जेल स्टाफ को संबोधित

करते हुए श्रीमती सोनकर ने स्वतंत्रता संग्राम के अमर शहीदों को नमन किया तथा संविधान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बंदियों को आत्मचिंतन एवं सुधार के मार्ग पर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि गणतंत्र दिवस हमें अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्यों का भी बोध कराता है। गणतंत्र दिवस के अवसर पर मध्यप्रदेश शासन द्वारा केंद्रीय जेल इंदौर के 9 बंदियों को विशेष माफी प्रदान की गई, जिसके बाद उनकी रिहाई की गई। इस मानवीय निर्णय से बंदियों और उनके परिजनों में खुशी की लहर देखने को मिली। इसके साथ ही इंदौर शहर में आयोजित मुख्य गणतंत्र दिवस समारोह के लिए जेल विभाग की ओर से एक आकर्षक झांकी नेहरू स्टेडियम भेजी गई, जिसे दर्शकों ने काफी सराहा। समारोह के दौरान पूरे जेल परिसर में देशभक्ति, अनुशासन और सकारात्मक बदलाव का संदेश देखने को मिला।

# उज्जैन के 'दादी दालबाटी ढाबे' पर वायरल वीडियो से उठे सवाल

# थाली में कंकर

## शिकायत पर बेशर्मी भरा जवाब !

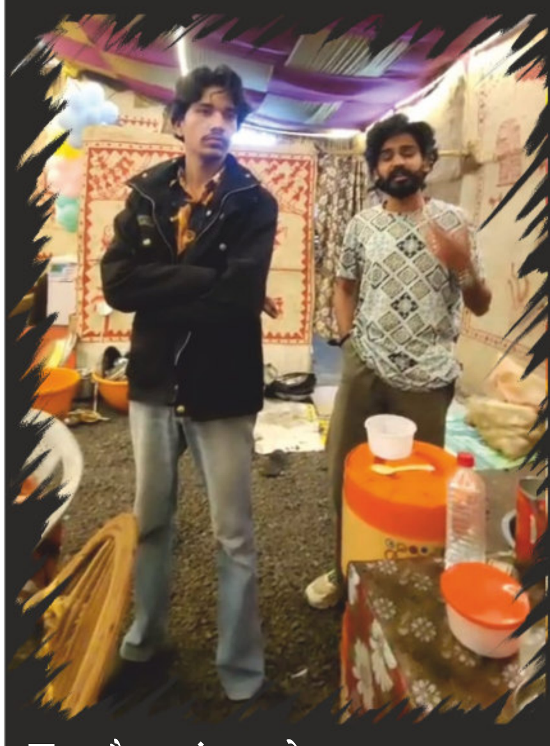

■ उज्जैन । संभाग पोस्ट

**उज्जैन के मंगलनाथ रोड स्थित दादी दालबाटी ढाबा, जो सोशल मीडिया पर दाल-बाटी की 'उत्तम व्यवस्था' को लेकर चर्चित रहा है, अब एक बेहद चौंकाने वाले वीडियो को लेकर सवालों के घेरे में आ गया है। इस ढाबे से जुड़ा अब जो वीडियो सामने आया है, उसने खाने की गुणवत्ता और ग्राहक सम्मान दोनों पर गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए हैं।**

वायरल वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि ग्राहक की थाली में परोसी गई बाटी के अंदर कंकर (पत्थर) निकलता है। जब इस बात की शिकायत ढाबा संचालक से की जाती है, तो न तो कोई अफसोस जताया जाता है और न ही कोई हैरानी। उल्टा ढाबा संचालक यह कहकर मामले को टाल देता है कि 'बाटी में कंकर आना संभावित है।'

मामला यहीं खत्म नहीं होता। हद तब पार हो जाती है, जब ढाबे का एक कर्मचारी ग्राहक से गोबर खिलाने जैसी आपत्तिजनक और अपमानजनक बात कह देता है। यह न सिर्फ ग्राहकों के साथ बदसलूकी है, बल्कि भोजन की स्वच्छता और मानवीय गरिमा पर भी सीधा हमला है।

सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब ग्राहक ढाबे या होटल में जाकर मुंहमांगी और पूरी कीमत अदा करता है, तो क्या उसे बदले में सुरक्षित, स्वच्छ और सम्मानजनक भोजन भी नसीब नहीं होना चाहिए? ऐसे हालात में यही महसूस होता है कि ग्राहक वहां भोजन करने नहीं, बल्कि अपमान सहने या भीख मांगने गया हो।

यह मामला सिर्फ एक ढाबे तक सीमित नहीं है, बल्कि यह खाद्य सुरक्षा, ग्राहक अधिकार और प्रशासनिक लापरवाही की गंभीर तस्वीर पेश करता है।

अब सवाल आपसे है– क्या ऐसे ढाबों पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए? या फिर ग्राहकों के स्वास्थ्य और सम्मान से यूं ही खिलवाड़ होता रहेगा?

सवाल आपसे है

कार्यालय पताः 201, दूसरी मंजिल, इंदौर प्रेस क्लब परिसर, एम.जी. रोड, (जिला न्यायालय के सामने), इंदौर (म.प्र.),

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक नवीन गलकर द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स, 13 प्रेस काम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर (म.प्र.) से मुद्रित एवं ए-119, वीणा नगर, सुखलिया, इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादकः नवीन गलकर, मो. 9009919948

# 77वें गणतंत्र दिवस पर उज्जैन में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने फहराया तिरंगा

■ **उज्जैन । संभाग पोस्ट**

धार्मिक नगरी उज्जैन में आज सोमवार को 77वां गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव अपने गृह नगर उज्जैन में शिप्रा नदी के किनारे स्थित कार्तिक मेला मैदान में आयोजित समारोह में शामिल हुए। यह कार्यक्रम सुबह 9 बजे शुरू हुआ। मुख्यमंत्री सुबह 8:55 बजे इस आयोजन मे पहुंचे और सुबह 9 बजे राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इसके बाद परेड सलामी, निरीक्षण, मार्च पास्ट, परेड कमांडरों का परिचय, राष्ट्रगान के साथ सलामी फायरिंग और राष्ट्रगान हुआ। फिर उन्होंने राज्य के नाम गणतंत्र दिवस का विशेष संदेश भी पढ़ा।

समारोह में शारीरिक व्यायाम, मल्लखंब और सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। पुलिस के बारह विशेष रूप से प्रशिक्षित डॉग स्क्वाड की प्रस्तुति भी इस वर्ष खासे आकर्षण का केंद्र रही। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के बाद आज विभिन्न विभागों की झांकियां, पुरस्कार वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। इस कार्यक्रम में पुलिस, आरपीएफ, बीएसएफ, एसएएफ, जिला पुलिस बल (पुरुष और महिला), जिला होम गार्ड प्लाटून, एनसीसी, सीआरपीएफ बैंड और डॉग स्क्वाड के साथ बड़ी संख्या में शहरवासी शामिल रहे।

### झांकियां ओर प्रदर्शनी रही आकर्षण का केंद्र

समारोह में उज्जैन विकास प्राधिकरण की तीन झांकियां शामिल रही, जो सिंहस्थ नगर, शिप्रा नदी के घाटों, मंदिरों, सड़कों और राजमार्गों से संबंधित विकास कार्यों पर आधारित रही। इसके अलावा, स्मार्ट सिटी, महिला एवं बाल विकास, कृषि और अन्य विभागों की झांकियां भी प्रदर्शित की गई। वर्ष 2026 के किसान कल्याण वर्ष से संबंधित योजनाओं पर आधारित एक फोटो प्रदर्शनी को भी शहरवासियों ने खूब सराहा। यह प्रदर्शनी अगले तीन दिनों तक आम जनता के लिए खुली रहेगी।

## गणतंत्र दिवस समारोह में परेड की ली सलामी

## स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों और लोकतंत्र रक्षकों का किया सम्मान

## डॉग स्क्वॉड की शानदार प्रस्तुति

## मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को गणतंत्र दिवस की दी बधाई

### विकसित मध्यप्रदेश का लिया संकल्प

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेशवासियों को 77वें गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर हार्दिक बधाई एवं मंगलकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह दिवस हमें हमारे संविधान, लोकतांत्रिक मूल्यों और राष्ट्रीय एकता के प्रति निष्ठा का स्मरण कराता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में देश आत्मनिर्भरता और विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है। विकसित भारत@2047 के संकल्प के साथ हमारा मध्यप्रदेश भी कृषि, उद्योग, युवा शक्ति, महिला सशक्तिकरण, सुशासन और पर्यटन के क्षेत्र में निरंतर प्रगति कर रहा है।

हमारे किसान, युवा, श्रमिक और मातृशक्ति प्रदेश की विकास यात्रा के मजबूत स्तंभ हैं। प्रदेश की प्रगति में नागरिक अपनी सक्रिय भागीदारी निभाएंगे और हमारा मध्यप्रदेश निश्चित ही भारत राष्ट्र का गौरव बढ़ाने में आगे रहेगा।

गणतंत्र दिवस पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भारत माता की आजादी के लिए हंसते-हंसते सूली पर चढ़ने वाले अमर शहीदों के चरणों में विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि आइए, हम सब मिलकर एक समृद्ध, सशक्त और विकसित मध्यप्रदेश के निर्माण का संकल्प लें और राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान दें।

# इंदौर में हुई परेड, उपमुख्यमंत्री ने फहराया तिरंगा

■ **इंदौर । संभाग पोस्ट**

**इंदौर में गणतंत्र दिवस का राष्ट्रीय पर्व हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर पूरे शहर में उत्सव का माहौल रहा और प्रमुख सरकारी भवनों को आकर्षक विद्युत सज्जा से सजाया गया। सुबह से ही शहर के विभिन्न सार्वजनिक स्थानों और संस्थानों में झंडावंदन के कार्यक्रमों का सिलसिला शुरू हो गया था।**

इंदौर में गणतंत्र दिवस का मुख्य भव्य आयोजन नेहरू स्टेडियम में संपन्न हुआ। इस राजकीय समारोह के मुख्य अतिथि प्रदेश के उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा थे। उन्होंने गरिमामय उपस्थिति के बीच सबसे पहले ध्वजारोहण किया, जिसके बाद समवेत स्वर में राष्ट्रगान का गायन हुआ। उपमुख्यमंत्री ने प्रदेश के मुख्यमंत्री के नाम जनता के संदेश का वाचन किया, जिसमें राज्य के विकास और भविष्य की योजनाओं का खाका प्रस्तुत किया गया था। समारोह का मुख्य आकर्षण परेड रही। आकर्षक वर्दी में सजे पुलिस के जवान, सशस्त्र बल और एनसीसी कैडेट्स ने तिरंगा थामे बैंड की सुमधुर स्वरलहरियों के बीच कदमताल करते हुए मार्च पास्ट किया। उपमुख्यमंत्री ने खुली जीप में परेड का निरीक्षण किया और सलामी ली। इस गौरवशाली दृश्य को देखने के लिए बड़ी संख्या में स्कूली बच्चे अपने अभिभावकों के साथ स्टेडियम पहुंचे थे, जिससे दर्शकों की दीर्घा पूरी तरह भरी नजर आई। कार्यक्रम में महापौर पुष्यमित्र भार्गव, विधायक महेंद्र हार्डिया सहित कई जनप्रतिनिधि और वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। इस दौरान अपने क्षेत्रों में उल्लेखनीय और उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों व कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित भी किया गया। समारोह के दूसरे चरण में स्कूली छात्रों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। मैदान पर जब स्कूली बच्चों ने देशभक्ति के गीतों पर अपनी कला का प्रदर्शन किया, तो पूरा स्टेडियम तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। विशेष रूप से भांगड़ा नृत्य की ऊर्जा और भारत माता पर आधारित नृत्य नाटिका ने सभी का मन मोह लिया। नगर निगम का मुख्य झंडावंदन एआईसीटीएसएल कार्यालय में आयोजित किया गया। यहां महापौर पुष्यमित्र भार्गव और निगमायुक्त क्षितिज सिंघल ने संयुक्त रूप से ध्वजारोहण किया। इसके पश्चात उपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों ने देश की एकता और अखंडता को अक्षुण्ण बनाए रखने की सामूहिक शपथ ली। उधर, कलेक्टर कार्यालय में कलेक्टर शिवम वर्मा ने तिरंगा फहराया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि हमें देश के संवैधानिक और सांस्कृतिक मूल्यों को सदैव याद रखना चाहिए और राष्ट्र की एकता के लिए निरंतर कार्य करना चाहिए।

# गणतंत्र का गौरव: अधिकारों के आकाश में कर्तव्यों की उड़ान

प्रवीण कक्कड़

## कर्तव्य पथ पर युवा भारतः संकल्प से सिद्धि का नया अध्याय

26 जनवरी केवल राष्ट्रीय पर्व नहीं है। यह आत्म-मंथन का अवसर है, यह सोचने का कि एक नागरिक के रूप में हम अपने अधिकारों के प्रति जितने सजग हैं, क्या अपने कर्तव्यों के प्रति भी उतने ही उत्तरदायी हैं। इसी दिन भारत ने स्वयं को एक गणतांत्रिक राष्ट्र के रूप में स्थापित किया था। हमारे संविधान ने हमें केवल गणतंत्र नहीं दिया, बल्कि एक सशक्त, समावेशी और उत्तरदायी राष्ट्र के निर्माण की साझा जिम्मेदारी भी सौंपी।

आज जब भारत एक आधुनिक, आत्मनिर्भर और विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है, तब यह जिम्मेदारी सबसे अधिक युवाओं के कंधों पर आ टिकती है। देश का वर्तमान भले ही अनुभव और परंपरा से संचालित हो, लेकिन उसका भविष्य युवाओं की सोच, उनके आचरण और उनके मूल्यों से ही आकार लेगा। गणतंत्र की मजबूती का असली पैमाना यही है कि उसका युवा वर्ग अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्यों को कितनी गंभीरता से स्वीकार करता है।

**कर्तव्य की पाठशालाः समाज की सामूहिक जिम्मेदारीः** कर्तव्यों की समझ केवल पाठ्यपुस्तकों से नहीं आती। इसके लिए परिवार, समाज और संस्थाओं की साझा भूमिका आवश्यक है। युवाओं को यह बोध कराना होगा कि राष्ट्रप्रेम केवल नारों, प्रतीकों या सोशल मीडिया की अभिव्यक्तियों तक सीमित नहीं है। वह हमारे दैनिक आचरण में दिखाई देता है, अनुशासन में, ईमानदारी में और सामाजिक संवेदनशीलता में। जब कोई युवा यातायात नियमों का पालन करता है, सार्वजनिक संपत्ति को अपनी संपत्ति की तरह सुरक्षित रखता है, पर्यावरण के प्रति सजग रहता है या समाज के वंचित वर्ग के लिए आगे आता है, तो वह प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से गणतंत्र की नींव को मजबूत करता है। यही छोटे-छोटे आचरण लोकतंत्र को व्यवहारिक रूप से जीवंत बनाते हैं।

**अधिकार, कर्तव्य और रोजगारः परस्पर पूरक संबंधः** समकालीन भारत में युवाओं के सामने सबसे बड़ा प्रश्न रोजगार का है। इस संदर्भ में अधिकार और कर्तव्य को अलग-अलग नहीं देखा जा सकता। वास्तव में, कर्तव्य और रोजगार परस्पर पूरक हैं। यदि युवा शिक्षा, कौशल विकास और आत्म-अनुशासन को अपना प्राथमिक कर्तव्य मान लें, तो वे केवल रोजगार की प्रतीक्षा करने वाले नहीं रहेंगे, बल्कि नए अवसर सृजित करने वाले बन सकते हैं। एक जिम्मेदार नागरिक ही एक कुशल पेशेवर बनता है। जब कोई युवा अपने कार्य को ईमानदारी और निष्ठा से करता है- चाहे वह छात्र हो, कर्मचारी हो, उद्यमी हो या किसान—तो वही उसका राष्ट्र के प्रति सबसे सार्थक योगदान होता है। राष्ट्र निर्माण केवल नीतियों या घोषणाओं से नहीं, बल्कि कार्यस्थलों पर निभाई गई जिम्मेदारियों से होता है।

**डिजिटल युग और चुनौतीः** आज का युग सूचनाओं की तीव्रता का युग है। डिजिटल माध्यमों ने अभिव्यक्ति के नए अवसर दिए हैं, लेकिन इसके साथ ही भ्रम की चुनौतियां भी खड़ी की हैं। सोशल मीडिया पर क्षणिक लोकप्रियता और बिना जिम्मेदारी की अभिव्यक्ति कई बार युवा ऊर्जा को गलत दिशा में मोड़ देती है। संविधान हमें अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता देता है, किंतु यह स्वतंत्रता उत्तरदायित्व से अलग नहीं है। युवाओं को यह समझना होगा कि उनके अधिकार वहीं समाप्त होते हैं, जहाँ से दूसरों के अधिकार प्रभावित होने लगते हैं। असहमति लोकतंत्र की ताकत हो सकती है, पर अराजकता उसकी जड़ों को कमजोर करती है। आज आवश्यकता ऐसे युवाओं की है, जो डिजिटल मंचों पर प्रतिक्रिया देने से पहले संवैधानिक मर्यादाओं और सामाजिक प्रभावों पर विचार करें।

**राष्ट्र निर्माणः हर युवा की भूमिकाः** राष्ट्र निर्माण केवल राजनीति या शासन की परिधि तक सीमित नहीं है। एक शिक्षक जो ईमानदारी से पढ़ाता है, एक डॉक्टर जो सेवा को सर्वोपरि रखता है, एक किसान जो कठिन परिस्थितियों में भी उत्पादन करता है, या एक युवा जो नवाचार के माध्यम से रोजगार के नए अवसर पैदा करता है वे सभी राष्ट्र निर्माता हैं।

यदि युवा यह संकल्प ले कि वह शॉर्टकट, असहिष्णुता और गैर-जिम्मेदार आचरण से दूरी बनाएगा, तो वही संकल्प भारत के भविष्य की सबसे ठोस आधारशिला बनेगा।

इस गणतंत्र दिवस पर आवश्यक है कि हम अधिकारों के उत्सव के साथ-साथ कर्तव्यों के निर्वहन को भी अपना गौरव बनाएं। जब युवा अपने व्यक्तिगत सपनों को राष्ट्र के दीर्घकालिक संकल्पों से जोड़ देगा, तब भारत के विकास पथ को कोई बाधा नहीं रोक पाएगी। एक सशक्त गणतंत्र वही है, जहाँ युवा केवल प्रश्न नहीं पूछते, बल्कि समाधान की जिम्मेदारी भी उठाते हैं। ष्जय हिंद

**(लेखक पूर्व पुलिस अधिकारी हैं)**


# संभाग पोस्ट सामाजिक दृढ़ता संकल्प अभियान

## अब आपकी आवाज होगी बुलंद लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के संग

आज के समाज में हम देख रहे हैं की शहरी परिवेश की बात करें या ग्रामीण परिवेश की आज के परिवेश में व्यक्ति अकेला पड़ता जा रहा है। आधुनिक तकनीकियों का इस्तेमाल करते-करते अपने आप को अकेला महसूस करता है , जब उसके ऊपर ऐसी कोई विपत्ति आती है की जब उसके परिवारजन या मित्र बंधु उसका साथ दे। तब वह पता है कि वह अकेला खड़ा है। यह आज के समाज का सत्य है। यह भारत के ७० प्रतिशत लोगों की सच्चाई है वह किसी भी प्रकार की समस्या में हो चाहे पारिवारिक या मानसिक, सामाजिक, प्रशासनिक या चिकित्सकीय हो ऐसी किसी भी समस्या में वह पाता है कि वह अकेला है। और यदि ऐसे मे किसी मोड़ पर कुछ व्यवधान उत्पन्न हो तब वह नीरस हो जाता है, और किसी न किसी प्रकार की गलती कर बैठता है । समाज की ऐसी सबसे बड़ी समस्या को लेकर हमने सामाजिक दृढ़ता संकल्प का अभियान चलाया है जिसके तहत हम उन सभी ऐसे लोगों के साथ खड़े हुए हैं जो हमसे जुड़ेंगे तथा वे लोग जो हमसे किसी न किसी प्रकार से जुड़े हुए हैं , हमारा प्रयास यह होगा कि ऐसी किसी भी समस्या में हम उनके साथ खड़े हो जिस जगह पर वह सही है और उन्हें व्यवधान,समस्या का सामना करना पड़ रहा है, ऐसी स्थिति में संभाग पोस्ट परिवार उनके साथ खड़ा है।

- समाज में एक कहावत प्रचलित है सत्य परेशान हो सकता है। पराजित नहीं हो सकता,
- ईश्वर की इसी प्रेरणा को हमारे मीडिया चैनल हमारे अखबार ने आत्मसात किया है और हम उन सभी समाज जनों के साथ खड़े हैं जिनके साथ सत्य है।
- ईश्वर सत्य का साथ देने वाले उनके अनुयायियों की सहायता करने स्वयं नहीं आते किंतु किसी न किसी माध्यम से सत्य का साथ दे रहे व्यक्ति की सहायता जरूर करते हैं।
- हम अपने आप को धन्य समझते हैं कि हमने यह मुहिम चलाई है जिसके तहत यदि आपके साथ सत्य है तो हम आपके साथ सदा खड़े हुए हैं
- हमारे चैनल और हमारे अखबार से जुड़े हुए सभी सदस्य गण जिनकी किसी भी प्रकार की परेशानी अब उनकी नहीं वह हमारी है।
- जब समाज दृढ़ होगा, सत्य की विजय होगी जब एकता और समान व्यवहार और ज्ञान होगा तब हमारा समाज एक नए भारत का दृढ़ निश्चय भारत का निर्माण कर पाएगा
- यदि आपका काम, स्वयं आप और आपका विचार, सत्य के साथ है तो वह आपका नहीं अपितु वह हमारा विचार होगा , क्योंकि आप भारत के चौथे स्तंभ मीडिया के साथ है
- अब आम आदमी की आवाज आम आदमी की नहीं अपितु उसके साथ हमारी भी आवाज होगी इसलिए आपसे निवेदन है कि हमारे साथ शीघ्र से शीघ्र जुड़े और अपनी आवाज को एक नया आयाम दें और अपने समाज को अपने परिवार को और अपने देश को सशक्त बनाएं
- हमारे साथ जुड़ने के लिए आपको कोई नया प्रयास नहीं करना केवल सामाजिक दृढ़ता संकल्प संभाग पोस्ट अभियान का एक फॉर्म भरना है

**विचार न कीजिए तुरंत संपर्क करें: 9755648321**

**क्योंकि दृढ़ होगा समाज तो सशक्त होगा भारत और खुशहाल होगा हमारा परिवार**

**सत्यम,शिवम्,सुंदरम। सत्यमेव जयते**

**भारत माता की जय वंदे मातरम**

# ‘गणतंत्र दिवस पर ईयू नेताओं की मौजूदगी संबंधों की बढ़ती ताकत’

## पहली बार यूरोपीय संघ के दो शीर्ष नेता बने गणतंत्र दिवस के मुख्य अतिथि

**• नई दिल्ली । विशेष प्रतिनिधि**

देश अपना 77वां गणतंत्र दिवस मना रहा है। इस खास मौके पर कर्तव्य पथ पर आयोजित परेड में इस साल यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो लुइस सैंटोस दा कोस्टा और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन मुख्य अतिथि रहे। बतौर मुख्य अतिथि दोनों नेताओं का शामिल होना भारत और यूरोपीय संघ के संबंधों के रूप में एक महत्वपूर्ण कूटनीतिक संदेश माना जा रहा है। ऐसे में देश के सबसे बड़े समारोह के गवाह बने यूरोपीय संघ (ईयू) के दो शीर्ष नेताओं के साथ पीएम मोदी ने तस्वीरें साझा की।

तस्वीरें साझा करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को कहा कि गणतंत्र दिवस समारोह में यूरोपीय संघ के नेताओं की मौजूदगी भारत-ईयू साझेदारी की बढ़ती ताकत और साझा मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता को दिखाती है। पीएम मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, ’भारत को हमारे गणतंत्र दिवस समारोह के दौरान यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन की मेजबानी करने का सौभाग्य मिला है।’ इसी के साथ उन्होंने दावा किया कि गणतंत्र दिवस पर ईयू नेताओं की मौजूदगी भारत-ईयू संबंधों की बढ़ती ताकत को दिखाती है। पीएम मोदी ने अपने पोस्ट में आगे कहा कि उनकी मौजूदगी भारत-यूरोपीय संघ साझेदारी की बढ़ती ताकत और साझा मूल्यों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दिखाती है। प्रधानमंत्री ने कहा कि ळें नेताओं की यह यात्रा भारत और यूरोप के बीच विभिन्न क्षेत्रों में गहरे जुड़ाव और सहयोग को और गति देगी।

पीएम मोदी ने इसके अलावा परेड की तस्वीरें भी साझा की। उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा, ’गणतंत्र दिवस परेड में भारत की जबरदस्त सुरक्षा व्यवस्था दिखाई गई, जो देश की तैयारी, टेक्नोलॉजिकल क्षमता और अपने नागरिकों की सुरक्षा के प्रति अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाती है।’ उन्होंने एक और पोस्ट के जरिए तस्वीर साझा करते हुए कहा कि गणतंत्र दिवस परेड में भारत की सुरक्षा बलों की बढ़ती क्षमताओं की झलक देखने को मिली। हमारी सेनाएं सच में हमारा गौरव हैं!’ बता दें कि यह पहली बार था जब यूरोपीय संघ (ईयू) के दो शीर्ष नेताओं ने मुख्य अतिथि के रूप में भारत के गणतंत्र दिवस समारोह में हिस्सा लिया है। यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष कोस्टा और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष लेयेन ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय मंत्रिमंडल के सदस्यों, विदेशी राजनयिकों के साथ कर्तव्य पथ पर भव्य सैन्य परेड और सांस्कृतिक कार्यक्रमों को देखा और अपनी खुशी जाहिर की।

# नई दिल्ली में सुनील ठाकुर का अंतरराष्ट्रीय सम्मान

**■ इंदौर । संभाग पोस्ट**

अमेरिका–भारत के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित ‘अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार सम्मेलन 2026’ का भव्य आयोजन 25 जनवरी 2026 को राजधानी नई दिल्ली में संपन्न हुआ। इस गरिमामय अंतरराष्ट्रीय समारोह में इंदौर निवासी युवा समाजसेवी एवं राष्ट्रीय खिलाड़ी श्री सुनील ठाकुर को उनके उत्कृष्ट सामाजिक सेवा कार्यों एवं खेल क्षेत्र में योगदान के लिए ‘अंतरराष्ट्रीय गौरव सम्मान 2026’ से सम्मानित किया गया।

यह प्रतिष्ठित आयोजन द इंटरनेशनल अवॉड्र्स फोरम (टीआईएएफ) – अमेरिका एवं भारत द्वारा किया गया, जिसमें देश–विदेश से आए अनेक प्रतिष्ठित प्रतिनिधि, समाजसेवी, उद्यमी, खिलाड़ी एवं कला जगत की जानी-मानी हस्तियां शामिल हुईं।

समारोह में दिल्ली की सांसद श्रीमती कमलजीत सहरावत, दिल्ली सरकार के कैबिनेट मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह, मध्यप्रदेश–नेपाल के पूर्व वित्त मंत्री श्री संजय कुमार यादव, अमेरिका एवं भारत के प्रसिद्ध उद्योगपति डॉ. पंकज कुमार अक्षय तथा दिल्ली विधानसभा सदस्य श्री संदीप सेहरावत विशेष रूप से मंचासीन रहे।

सुनील ठाकुर वर्षों से समाज के वंचित वर्ग, अनाथ बच्चों, वृद्धजनों, जरूरतमंदों एवं आपदा पीड़ितों की सेवा में निरंतर सक्रिय हैं। वे एक राष्ट्रीय स्तर के तैराक भी हैं तथा वर्तमान में न्यू दिगंबर पब्लिक स्कूल, इंदौर में स्विमिंग कोच के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। साथ ही वे मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद, इंदौर के साथ मिलकर युवाओं को खेल, अनुशासन और राष्ट्रसेवा की दिशा में प्रेरित कर रहे हैं।

उनकी यह अंतरराष्ट्रीय उपलब्धि न केवल इंदौर बल्कि मध्यप्रदेश और संपूर्ण भारत के लिए गौरव का विषय बनी है।

सम्मान प्राप्त करने के बाद श्री ठाकुर ने कहा—

‘यह सम्मान मेरा नहीं, बल्कि उन सभी जरूरतमंदों की जीत है जिनकी सेवा करने का मुझे सौभाग्य मिला। मैं इसे अपनी माँ, भारत और मानवता ओर सभी साथियों को समर्पित करता हूँ।’

APPLIED FORENSIC SCIENCE LABORATORY

Email: afslindore23@gmail.com Mobile No: +91 9366381689 +91 9977649317

SERVICES

- Handwriting Examination.
- Signature Examination.
- Fingerprint Examination.
- Deleted Data Recovery from Mobile Phones, Hard Drive.
- Laptop, Desktop Computer, Pen drive.
- Complete Examination of Digital Instrument i.e. Mobile.
- phones, Laptop, Desktop Computers, in case of Hacking.
- Voice Analysis and Voice Comparison.
- Examination of Alteration in any Documents.
- Examination of Erased Writing.
- Examination of Audio Clips and Video Clips.
- Preparation of Fingerprint Records for Corporate Offices.
- Examination of Arson Cases.
- DNA Examination for Paternity and Maternity.
- Forensic Consultancy.
- Forensic Investigation of Insurance Claims.
- Property Investigation.
- Crime Scene Investigation.
- Audio Transcription.

FORENSIC EXPERT

Rakesh Mia +91 93663 81689

Vijay Panchal +91 9977649317

Head Office
Applied Forensic Science Laboratory
8/1, 2nd foor, Moti Tabela, Near
Collectorate Office, Indore, MP, 452007

Branch Office
Chandra Forensic Science
lab
Chandigarh/New Delhi

संदीप पवार
Mob :-98260-68380
KP
॥ श्री गणेशाय नमः॥
न्यू नर्मदा ट्रेडर्स
सीमेन्ट
बालू रेती
काली रेती, गिट्टी
ईंट एवं बिल्डिंग मटेरियल के विक्रेता
4, मंगलनगर, आई.टी.आई. रोड, बैंक ऑफ बड़ौदा के पास, पेट्रोल पम्प के पहले, इन्दौर (म.प्र.)

रामसेवक दुबे
9406621084
पूजा बुक्स एण्ड स्टेशनर्स
CBCE स्कूल बुक्स
चिल्ड्रन बुक्स
ऑफिस स्टेशनरी
कम्प्यूटर स्टेशनरी
स्कूल स्टेशनरी एवं
गिफ्ट आयटम
6/3, सुंदर अपार्टमेन्ट, क्लर्क कालोनी चौराहा, श्री सत्य सांई बाल विनय मंदिर के सामने, इन्दौर म.

राहुल जनरल स्टोर्स
शॉप नं. 3 मालवा मिल चौराहा, इंदौर
मो. 9977732802

# इंदौर प्रेस क्लब में हुआ गणतंत्र दिवस पर ध्वजारोहण

## अध्यक्ष दीपक कर्दम ने पत्रकार साथियों के साथ फहराया तिरंगा

**इंदौर। संभाग पोस्ट**

इंदौर प्रेस क्लब में राष्ट्रीय पर्व गणतंत्र दिवस के अवसर पर सोमवार को प्रेस क्लब अध्यक्ष दीपक कर्दम ने महासचिव प्रदीप जोशी, उपाध्यक्ष संजय त्रिपाठी, सचिव अभिषेक चेंडके और कोषाध्यक्ष मुकेश तिवारी के साथ वरिष्ठ पत्रकार एवं पूर्व अध्यक्ष सतीश जोशी की उपस्थिति में ध्वजारोहण किया। इस मौके पर श्री कर्दम, सतीश जोशी, नीलमेघ चतुर्वेदी एवं प्रदीप जोशी ने उपस्थित मीडिया के साथियों को संबोधित करते हुए को गणतंत्र दिवस की बधाई दी और कहा कि राष्ट्रहित में मीडियाकर्मी लगन के साथ कार्य करें। कार्यकारिणी सदस्य अभय तिवारी, मनीष मक्खर, अंशुल मुकाती, श्याम कामले, विजय भट्ट, महिला प्रतिनिधि पूनम शर्मा ने भी सभी को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर प्रेस क्लब के पूर्व अध्यक्ष अरविंद तिवारी, वरिष्ठ पत्रकार राजीव उपाध्याय, डॉ. कमल हेतावल, मदनलाल दुबे, ललित उपमन्यु, कीर्ति राणा, शैलेष पाठक, सुदेश तिवारी, डॉ. अर्पण जैन, रोहित त्रिवेदी, संदीप जैन, दिनेश सालवी, चंपालाल गुर्जर, उमेश शर्मा, शैलेंद्र महाजन, सुनील सिंह बघेल, अशोक समन, बी.के. उपाध्याय, योगेश राठौर, पीयूष पारे, महेंद्र सोनगरा, अद्र्धेंधु भूषण, रवीन्द्र व्यास, चंद्रकांत मरमट, मार्टिन पिंटो, लक्ष्मीकांत पंडित, अखिल हार्डिया, राजेंद्र कोपरगांवकर, अभिषेक मिश्रा, विपिन नीमा, राहुल वावीकर, प्रवीण बरनाले, प्रकाश कजोडिया, मांगीलाल चौहान, नाना नागर, सुभाष जैन, अरुण बक्षी, डॉ. देवेन्द्र मालवीय, देवेंद्र साहू, सुधाकर सिंह, अभिषेक रघुवंशी, राजू वर्मा, राजकुमार वर्मा, नवीन मौर्य, नितिन सोलंकी, शैलेन्द्र श्रीमाल, लोकेंद्र थनवार, धमेंद्र सांगले, मनीष शर्मा, गोविंद शर्मा, सचिन वर्मा, एम.के. जैन, राजु रायकवार, सुधीर वर्मा, प्रणव कामले, लोकेश कश्यप, देवीसिंह यादव, आशीष जादौन, एस.के. गुप्ता, राजेश गुप्ता, खन्नू विश्वकर्मा, समाजसेवी हकीमुद्दीन, करण अहीरवार, सतीश गौड़, सुरेंद्र सिंह पंवार, गोपाल वर्मा, जयेश मालवीय, अनिल पुरोहित, आशीष तिवारी सहित बड़ी संख्या मीडिया के साथी उपस्थित थे।

### जनसुनवाई में, पुलिस कमिश्नर इंदौर ने सुनी प्रत्येक आवेदक की व्यथा

# नागरिकगण की समस्याओं के त्वरित निदान हेतु, संबंधित अधिकारियों को दिए तत्काल कार्यवाही कर समय सीमा में निराकरण के दिशा निर्देश

**इंदौर। संभाग पोस्ट**

मध्य प्रदेश शासन के निर्देशानुसार आमजन की शिकायतों का निराकरण करनें एवं समस्याओं का त्वरित समाधान करनें के लिए प्रत्येक मंगलवार को जनसुनवाई आयोजित की जाती हैं। जिसके तारतम्य में पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह द्वारा आज दिनांक 27.01.26 को कमिश्नर कार्यालय के सभागार में जनसुनवाई में आमजन की शिकायत एवं समस्याओं को सुना तथा त्वरित निराकरण हेतु संबंधित अधिकारियों को उचित कार्यवाही करने के निर्देश दियें।

जनसुनवाई के दौरान आज 57 शिकायत आवेदन प्राप्त हुए, जिनमे प्रमुख रूप से पारिवारिक विवाद, आपसी विवाद, पैसों के लेनदेन, फाइनेंशियल फ्रॉड, सुनवाई न होने, प्लाट/ जमीन की धोखाधड़ी संबंधी विवाद, महिला अपराध संबंधी एवं अन्य पुलिस से संबंधित समस्याओं लेकर आमजन आए। पुलिस कमिश्नर श्री संतोष कुमार सिंह द्वारा व्यक्तिगत रूप से प्रत्येक आवेदक के साथ संवाद कर, उनकी समस्याओं को गंभीरता पूर्वक सुनकर उनके निराकरण हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित कर तत्काल कार्यवाही करने के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिये। साथ ही नागरिकों को आश्वस्त किया कि इंदौर पुलिस उनकी सुरक्षा और हितों के संरक्षण के लिए सदैव तत्पर है। इस दौरान अति पुलिस आयुक्त (कानून व्यवस्था) इंदौर श्री अमित सिंह एवं सभी ज़ोन के अन्य अधिकारियों ने भी उपस्थित रहकर पुलिस कमिश्नर के निर्देशानुसार संबंधित आवेदकों की समस्याओं विस्तार पूर्वक सुन कार्यवाही की गई।

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

# 77वें गणतंत्र दिवस की

## प्रदेशवासियों को अनेक मंगलकामनाएं

"भारत के 77वें गणतंत्र दिवस के शुभ अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं। आज राष्ट्र के हर नागरिक के हृदय में देशभक्ति और देश के लिए गर्व का भाव सशक्त हो रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की नेतृत्व क्षमता के फलस्वरूप यह सब संभव हो पाया है। आज भारत वैश्विक शक्ति बनकर उभर रहा है।"

**-डॉ. मोहन यादव**, मुख्यमंत्री

डॉ. मोहन यादव का अभ्युदय मध्यप्रदेश

## मध्यप्रदेश की उन्नति के मुख्य स्तंभ

**अन्नदाता की समृद्धि से प्रगति की ओर मध्यप्रदेश**

वर्ष 2026 को 'किसान कल्याण वर्ष' के रूप में घोषित किया गया है, इसका उद्देश्य अन्नदाता को समृद्ध और सशक्त बनाना है।

**युवा शक्ति से राष्ट्र निर्माण**

मध्यप्रदेश के युवा सक्षम और कौशलवान बनकर अपने सपनों को साकार करें और समाज में सकारात्मक बदलाव लाएं, इसके लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं।

**गरीब एवं जनजातीय वर्ग की तरक्की का संकल्प**

गरीब और जनजातीय वर्ग के उत्थान के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, रोज़गार और समस्त मूलभूत सुविधाओं के लिए हमारी सरकार संकल्पित है।

**सशक्त नारी - सशक्त मध्यप्रदेश**

नारी परिवार और समाज का दर्पण होती है। महिलाओं को स्वावलंबी और आत्मनिर्भर बनाने के लिए उनके पोषण, स्वास्थ्य से लेकर शिक्षा एवं रोज़गार तक का ख्याल प्रदेश सरकार रख रही है।

**अतुल्य विरासत से वैभवशाली मध्यप्रदेश**

मध्यप्रदेश की सांस्कृतिक विरासत अत्यंत अद्भुत एवं समृद्ध है। यहां नैसर्गिक सुंदरता के साथ-साथ कला और संस्कृति भी बहुआयामी है।

**औद्योगिक विकास का नया अध्याय**

मध्यप्रदेश औद्योगिक विकास का एक उभरता केंद्र बन चुका है। गांवों को शहरों से जोड़ना हो या नए उद्योग स्थापित करने हों, प्रदेश आज चौतरफा विकास की ओर लगातार आगे बढ़ रहा है।

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2026

सीधा प्रसारण @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhypradesh @jansamparkMP JansamparkMP

D18086/25